

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Saturday, 19 September 2026

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस 2025: समान अधिकार, अवसर और सम्मान के संकल्प का वैश्विक संदेश

Publisher

Published on 03 Dec 2025



आज दुनिया भर में **International Day of Persons with Disabilities (अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस)** मनाया जा रहा है। यह दिवस हर वर्ष 3 दिसंबर को संयुक्त राष्ट्र (UN) द्वारा निर्धारित किया गया है, जिसका उद्देश्य दिव्यांगजनों के अधिकारों, आवश्यकताओं और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करना है। इस वर्ष का दिवस विशेष रूप से समावेशी विकास, समान अवसरों और दिव्यांगजनों को मुख्यधारा में शामिल करने की दिशा में नए संकल्पों को मजबूत करता है।

यह दिन केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि एक ऐसी वैश्विक पहल है जो यह याद दिलाती है कि दिव्यांगजन समाज का एक अभिन्न अंग हैं। वे न केवल प्रतिभाशाली और सक्षम हैं, बल्कि शिक्षा, रोजगार, कला, खेल और नेतृत्व के क्षेत्रों में असाधारण योगदान दे रहे हैं। उनके लिए अवसरों का विस्तार कर, बाधाओं को दूर कर और एक बाधा-मुक्त वातावरण बनाकर दुनिया उन्हें पूर्ण सम्मान के साथ आगे बढ़ने का रास्ता देती है।

भारत में भी आज विभिन्न सरकारी विभागों, सामाजिक संगठनों, स्कूलों, कॉलेजों और कॉर्पोरेट जगत में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में दिव्यांगजनों की प्रतिभा का प्रदर्शन, जागरूकता रैलियाँ, कार्यशालाएँ, पुरस्कार समारोह और नीति-निर्माण से जुड़े संवाद शामिल हैं। केंद्र और राज्य सरकारें भी इस अवसर पर दिव्यांगजनों के लिए नई योजनाएँ और सुविधाओं की घोषणा करती हैं, जो उन्हें आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

समावेशी शिक्षा इस दिवस का एक महत्वपूर्ण पहलू है। विशेषज्ञों का मानना है कि स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक दिव्यांगजनों को सुलभ इन्फ्रास्ट्रक्चर, सहायक तकनीक और अनुकूलन योग्यता वाले शिक्षण वातावरण की आवश्यकता है। इसके साथ ही, रोजगार के क्षेत्र में भी दिव्यांगजनों को बराबरी के अवसर मिलना चाहिए। आज कई स्टार्टअप और कंपनियाँ समावेशी हायरिंग की दिशा में सकारात्मक कदम उठा रही हैं, जिससे उनके करियर को मजबूत आधार मिल रहा है।

इसके अलावा तकनीक ने दिव्यांगजनों के जीवन में एक बड़ी क्रांति ला दी है। स्मार्ट डिवाइस, डिजिटल टूल्स, एआई-आधारित सॉफ्टवेयर और सहायक उपकरणों ने न केवल उनकी दैनिक चुनौतियाँ कम की हैं, बल्कि उनकी स्वतंत्रता को भी बढ़ावा दिया है। सरकारें भी स्मार्ट सिटी मिशनों के तहत सुलभ परिवहन, रैंप, ऑडियो सिग्नल, ब्रेल साइनबोर्ड और डिजिटल सुविधाओं पर काम कर रही हैं।

सामाजिक दृष्टिकोण में बदलाव इस दिवस की सबसे अहम आवश्यकता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि अक्सर दिव्यांगता को लोगों की क्षमताओं के बजाय उनकी चुनौतियों के नजरिए से देखा जाता है। जबकि वास्तविकता यह है कि दिव्यांगजन अपनी लगन, मेहनत और कौशल से हर वह चीज हासिल कर सकते हैं जो एक सामान्य व्यक्ति कर सकता है। समाज का दायित्व है कि पूर्वाग्रहों को छोड़कर उन्हें सम्मान, समर्थन और समझ की दृष्टि से देखे।

International Day of Persons with Disabilities हमें यह सिखाता है कि **समावेश** केवल शब्द नहीं, बल्कि एक सामाजिक जिम्मेदारी है। एक ऐसा समाज जहाँ हर व्यक्ति—चाहे वह किसी भी प्रकार की दिव्यांगता से ग्रस्त हो—अपनी क्षमता, सपनों और अधिकारों के साथ समान रूप से आगे बढ़ सके, वहीं वास्तव में विकसित समाज कहलाता है। आज का दिन उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो हमें अधिक संवेदनशील, जागरूक और न्यायपूर्ण दुनिया की ओर ले जाता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.